हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 28 .5 डिग्री
न्यूनतम 7 .6 डिग्री

12 निकाय चुनावों की घोषणा अगले माह, मानेसर की 'चूक' नहीं दोहराएगी भाजपा

12 महाशिवरात्रि पर शिवालयों में दिनभर गूंजे महाकाल के जयकारे

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 14 फरवरी को केस दर्ज किया था। हादसे में कार की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद गाड़ी चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के नारेड़ा निवासी सतीश योगी को गिरफ्तार कर लिया। कार को भी पुलिस ने कब्जे में लिया। आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर चरखी दादरी जिले के चम्पापुरी निवासी अक्षय के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने पीड़ित का सामान्य अस्पताल से मेडिकल करवाया था। 30 जनवरी को दर्ज किए गए केस के बाद आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। पुलिस ने गत वर्ष 19 दिसंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने भिवाड़ी निवासी अशोक स्वामी को गिरफ्तार किया है। उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले के दो आरोपी किए गिरफ्तार

खोल। थाना पुलिस ने बोहका गांव में बीते वर्ष हुई मारपीट के बाद दर्ज मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत वर्ष 23 नवंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने बोहका निवासी सुरेश देवी और रामधन को काबू कर लिया।

दुष्कर्म व धमकी देने का आरोपी जेल भेजा

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने दुष्कर्म करने जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर काफी समय पहले दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था। महेंद्रगढ़ के एक मोहल्ला निवासी राहुल को आरोपी बनाया गया था। केस दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पर्यावरण बचाओ कन्वेंशन 28 को

रेवाड़ी। अरावली बचाओ आंदोलन के तत्वावधान में 28 फरवरी को 11 बजे यादव धर्मशाला में अरावली पर्वत माला एवं पर्यावरण बचाओ कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा। रिटायर्ड ईओ मनोज यादव, कैलाश चंद, डा. पूनम यादव, डा. कंवर सिंह यादव, हरिओम रिटायर्ड मुख्याध्यापक, कृष्ण कुमार रिटायर्ड प्रवक्ता, हेमंत शेखावत प्रवक्ता रसायन शास्त्र व कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने पर्यावरण प्रेमियों सहित आमजन से इस जागृति अभियान में शामिल होने की अपील की है।

केंद्रीय मंत्री के निर्देश के बावजूद पटौदी हाईवे का काम नहीं हुआ तेज

डेली पैसेंजर के लिए दिल्ली हुई दूर, तीन जगह चल रहा पुल निर्माण का काम

गुरुग्राम और दिल्ली से धारूहेड़ा तक आवागमन करने वाले वाहन चालकों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गुरुग्राम और रेवाड़ी के बीच निर्माणाधीन नेशनल हाइवे का कार्य पूरा नहीं हुआ है। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर गुरुग्राम और धारूहेड़ा के बीच तीन फ्लाईओवर बन रहे हैं। इससे गुरुग्राम और दिल्ली से धारूहेड़ा तक आवागमन करने वाले वाहन चालकों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है। जाम का आलम यह है कि वाहन चालकों को महज एक घंटे का सफर करने में दो से तीन घंटे ज्यादा लगाने पड़ रहे हैं। बिलासपुर के पास दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर फ्लाईओवर का कार्य कई साल से चल रहा है। बीच में तकनीकी कारणों के चलते कार्य रुका हुआ था, जो अब सुचारू रूप से चल रहा है। इस फ्लाईओवर से कुछ ही दूरी पर एनएचएआई ने एक ओर फ्लाईओवर का निर्माण शुरू करा दिया है। तीसरा फ्लाईओवर धारूहेड़ा और कापड़ीवास के बीच बनना शुरू हो गया है। तीन जगह से मेन हाइवे बंद होने के कारण ट्रैफिक का दबाव सर्विस रोड पर बना हुआ है। यह हाइवे देश के व्यस्ततम नेशनल हाइवे में से एक है, रोजाना हजारों की संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। ट्रैफिक का दबाव इतना ज्यादा होता है कि किसी वाहन के खराब होने या एक्सिडेंट की स्थिति में भी वाहनों की कई किलोमीटर लंबी लाइनें लग जाती हैं। ऐसे में तीन स्थानों पर एक साथ प्रमुख रोड बंद होने से वाहन चालकों का 'दर्द' बढ़ गया है। बड़ी संख्या में वाहनों के सर्विस रोड पर आने से दिन भर जाम लगा रहता है, जिससे निकलना मुश्किल बन जाता है।

> ट्रैफिक का दबाव इतना ज्यादा होता है कि किसी वाहन के खराब होने या एक्सिडेंट की स्थिति में भी वाहनों की कई किलोमीटर लंबी लाइनें लग जाती हैं।

रेवाड़ी। हाइवे पर जाम लगने से धारूहेड़ा में फंसे वाहन। फोटो : हरिभूमि

फ्लाईओवर जल्द शुरू करने पर जोर

गुरुग्राम और रेवाड़ी के बीच निर्माणाधीन नेशनल हाइवे के अधूरे फ्लाईओवर जल्द शुरू कराने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। इनमें से कुछ फ्लाईओवर अंतिम चरण में हैं, जिनकी फिनिशिंग हो रही है। एनएचएआई जल्द से जल्द इस रोड को शुरू कराने पर जोर दे रहा है।
-योगेश तिलक, पीडी, एनएचएआई।

नौकरीपेशा लोगों की परेशानी बढ़ी

दिल्ली और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, नारनौल और राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों के लोग नौकरी या व्यवसाय करते हैं। इनमें बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों से आवागमन करते हैं। नेशनल हाइवे पर ड्यूटी के समय सुबह और ड्यूटी से लौटते समय शाम के समय जाम की समस्या गंभीर हो जाती है। नौकरीपेशा लोगों का अधिकांश समय जाम में खराब हो जाता है। जाम में फंसे वाहनों की इंधन खपत भी बढ़ रही है, जिससे उनका बजट बिगड़ रहा है।

वैकल्पिक मार्ग बढ़ा रहा मुश्किल

महेंद्रगढ़, नारनौल और रेवाड़ी से गुरुग्राम तक पहुंचने के लिए पटौदी रोड वैकल्पिक मार्ग है। इस रोड को नेशनल हाइवे में परिवर्तित करने का कार्य लगभग 5 साल से चल रहा है, जिसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है। रेवाड़ी से पटौदी के बीच कई स्थानों पर सड़क निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। कई फ्लाईओवर चालू नहीं हुए हैं, जिससे जर्जर सर्विस रोड से वाहनों का आवागमन हो रहा है। सर्विस रोड के गड्ढे चालकों के लिए परेशानी बने हुए हैं।

मंत्री के निर्देशों पर भी अमल नहीं

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर पुल निर्माण के चलते जाम की समस्या को देखते हुए गत दिनों एनएचएआई के अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। उन्होंने अधिकारियों को गुरुग्राम और रेवाड़ी के बीच निर्माणाधीन नेशनल हाइवे के पेंडिंग पुल जल्द चालू करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके अभी तक इनमें से कोई भी फ्लाईओवर चालू नहीं किया गया है। रोजाना अवागमन करने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में राहत नहीं मिली है।

संदिग्ध हालात में जहर खाने से महिला की मौत

- पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजपुरा इस्तमुरार में रविवार को करीब 30 साल की महिला ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मायके पक्ष के लोगों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। राजमिस्त्री का कार्य करने वाले रामसिंह की शादी यूपी के हमीरपुर जिले के गांव जल्ला निवासी बॉबी से हुई थी। रविवार को रामसिंह अपने काम पर गया हुआ था। पीछे से बॉबी ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खा लिया। पता चलने के बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद कुंड पुलिस चौकी ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के मायके पक्ष के लोगों को उसकी मौत की सूचना दी गई। शव मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस पोस्टमार्टम के लिए मृतक के मायके पक्ष के लोगों के आने का इंतजार कर रही है।

मकान की रेलिंग से गिरे श्रमिक ने तोड़ा दम

- पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर भेजकर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

सुठाना में किराए के मकान में रह रहे यूपी के एक श्रमिक की अस्पताल में मौत हो गई। वह पांच दिन पहले मकान की छत पर लगी रेलिंग से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। कसोला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। यूपी के गांव माऊ का रहने वाला 40 वर्षीय अखिलेश आईएमटी की एक कंपनी में अस्थाई श्रमिक के तौर पर कार्य करता था। वह सुठाना गांव में किराए के मकान में रह रहा था। परिजनों के अनुसार गत 11 फरवरी को शाम के समय वह मकान की छत पर टहल रहा था। इसी दौरान रेलिंग से जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया था। उपचार के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद कसोला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर भेजकर जांच भी शुरू की है, ताकि उसके छत से गिरने के कारणों का पता चल सके।

प्ले स्कूल के वार्षिक समारोह में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

रेवाड़ी। कार्यक्रम में रोल प्ले प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कोसली। कोसली के नठेड़ा रोड पर स्थित इंडस वैली प्ले स्कूल में रविवार को वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आशीष आईआरएस, जीसीसीआई गुरुग्राम के उपायुक्त तथा एचएयू हिसार के पूर्व निदेशक डा. एचडी यादव मौजूद थे। बच्चों ने नृत्य, रोल प्ले व भाषण के माध्यम से ज्वलंत विषय पर्यावरण संरक्षण, परिवार जागरण, बहादुर बेटियां, भारतीय संस्कृति तथा ऑपरेशन सिंदूर पर अपने भाव प्रकट किए। मुख्य अतिथि आशीष ने बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें देश का भविष्य बताया। छोटी-छोटी आदतें जैसे पौधे लगाना और प्लास्टिक का कम इस्तेमाल का संकल्प बड़े बदलाव ला सकते है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि हमारी जड़ें मजबूत होंगी तो भविष्य उज्ज्वल होगा। डा. एचडी यादव ने कहा कि परिवार ही समाज की नींव है और बेटियां समाज की शक्ति हैं। स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन घीसाराम, निदेशक अनिल किशोर कुमार, प्राचार्या मनोज यादव व कैप्टन आदि मौजूद रहे।

देशी पिस्टल के साथ आरोपी चढ़ा सीआईए के हत्थे

- सीआईए ने आरोपी को धारूहेड़ा थाना पुलिस के हवाले कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

सीआईए ने पार्श्वनाथ सोसायटी रोड पर एक युवक को देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ धारूहेड़ा पुलिस थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है। सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि राजस्थान के खौरथल तिजारा जिला के गांव उजौली निवासी नवीन कुमार उर्फ अंडा एक आपराधिक किस्म का युवक है। वह पार्श्वनाथ कॉलोनी रोड पर खड़ा किसी के आने का इंतजार कर रहा है। उसके पास हथियार मौजूद है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की एक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर वहां खड़े एक युवक ने भागने का प्रयास किया। सीआईए की टीम ने पीछा करते हुए उसे काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसकी जेब से एक देशी पिस्टल बरामद हुआ। सीआईए ने उसे धारूहेड़ा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया, उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में नवीन कुमार उर्फ अंडा। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ खेलों का भी विशेष महत्व : लक्ष्मण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण यादव थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जैन पब्लिक स्कूल के प्रधान सीए मोहित जैन ने शिरकत की। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रशांत भारद्वाज थे। इस मौके पर लक्ष्मण यादव ने कहा कि बदलते समय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी विशेष महत्व बन गया है। आज सरकार भी खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये की धन राशि देकर प्रोत्साहित करने में लगी है। विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूल के विकास के लिए 2 लाख रुपये राशि देने की घोषणा भी की। चेयरमैन अनिल रस्तोगी ने विधायक सहित सभी का स्वागत किया।

- विजेता खिलाड़ियों को पदक व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

रेवाड़ी। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक अजय यादव, केएलपी कॉलेज के उपप्रधान संदीप खंडेलवाल, पूर्व प्रधान अमित गुप्ता, केएलपी कॉलेज की कोषाध्यक्ष उषा रुस्तगी, आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डा. दलबीर सिंह, सतीश बीएड कॉलेज के प्राचार्य डा. चिराग नागपाल, जेपीएस के प्रबंधक विनय जैन, विश्वकर्मा स्कूल के प्रबंधक धीरज जांगड़ा, गौरव यादव, राकेश गर्ग, सुनील ग्रोवर, कमल कांत,डा. दीपक सैनी व संजय लोहिया मौजूद थे।

कलाकारों ने सूरजकुंड मेले में दी हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुति

रेवाड़ी। फरीदाबाद में आयोजित 39वें अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले में रेवाड़ी की सामाजिक एंव सांस्कृतिक संस्था लावण्या फाउंडेशन के कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत शानदार प्रस्तुति दी। संस्था के कलाकार रोहित सैनी, संगीता, अंजली, पूर्वी, अंजली भारद्वाज, अंजना,वंशिका, निर्मला, प्रिया, कीर्ति, शिखा, मोहित, पियंका गुप्ता, रिया अग्रवाल व हेजल की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। सूरजकुंड मेले की मुख्य चौपाल पर अनेक राज्य अपने-अपने प्रदेश की लोकगीतों व नृत्यों की प्रस्तुतियां दे रहे है। शनिवार की शाम मेले की मुख्य चौपाल पर लावण्या फाउंडेशन संस्था के कलाकारों ने हरियाणवी नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर पर्यटकों को मंत्रमुग्ध किया। 39वे अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले के नोडल अधिकारी हरविन्द्र सिंह, सांस्कृतिक इंचार्ज राजपाल व विरेन्द्र यादव का धन्यवाद किया। टीम के साथ अनूप प्रकाश व मुख्याध्यापक मनोहर लाल उपस्थित थे।

दिन के समय सर्दी का असर होने लगा दूर, दो दिन बाद मौसम में बदलाव की संभावना

ठंड का असर गायब, बीमारियां पनपने की आशंका बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी माह का दूसरा पखवाड़ा शुरू होते ही मौसम के तेवर गर्म होने शुरू हो गए हैं। पारा 28 डिग्री के पार पहुंचते ही दिन के समय ठंड का असर गायब होने लगा है। सुबह-शाम और रात के समय ही ठंड का असर बना हुआ है। दो दिन बाद मौसम में एक बार फिर बदलाव आने की संभावना जताई जा रही है। मौसम में बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियां पनपने की आशंका बन गई है। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। सूरज की चमक ने दिन निकलने के कुछ देर बाद ही ठंड का असर गायब कर दिया। सीजन में पहली बार दिन का तापमान 1.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 28.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात का तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर कम होकर 50 प्रतिशत पर आ गया। दिन के समय 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। इस समय तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक ज्यादा बना हुआ है। दोपहर के समय लोगों को गर्म कपड़े चुभने शुरू हो जाते हैं। गर्म कपड़ों की आवश्यकता अब सुबह और शाम के समय ही पड़ रही है। सर्दी की विदाई के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह 18 फरवरी को कमजोर पश्चिम विक्षोभ की सक्रियता से बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है, जिससे ठंड एक बार फिर से अपना असर दिखा सकती है। तापमान में इस दौरान मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। रविवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई 153 दर्ज किया गया। प्रदूषण की समस्या माह के शुरू में हुई बारिश के बाद कम हो गई है।

गेहूं की फसल को नुकसान की आशंका

कृषि विशेषज्ञ डा. नरेश यादव के अनुसार अभी तक मौसम सरसों और गेहूं दोनों प्रमुख फसलों के लिए अनुकूल बना रहा है। सरसों की फसल पकाव की ओर अग्रसर है, जबकि गेहूं की अगेती फसल में दाना बनना शुरू हो गया है। तापमान बढ़ने से अभी सरसों की फसल को नुकसान नहीं होगा, परंतु गेहूं की फसल दीमक की चपेट में आ सकती है। दिन के समय मिट्टी गर्म होने से दीमक जमीन से बाहर आ जाती है। यह गेहूं की फसल पर हमला करती है, जिससे फसल सूखने लगती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि वह गेहूं की नियमित रूप से हल्की सिंचाई करते रहें, ताकि जमीन का तापमान बढ़ने नहीं पाए।

बदलते मौसम में रोगों का बढ़ेगा प्रकोप

सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया ने बताया कि मौसम में बदलाव के साथ ही मौसमजनित रोगियों की संख्या भी बढ़ जाती है। दिन में मौसम गर्म और रात के समय ठंडा रहने से खांसी, जुकाम और चायरल बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। इस तरह के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह पर उपचार लेना चाहिए। अपनी मर्जी से एंटीबायोटिक्स दवाएं लेने से बचना चाहिए।

टीट में श्याम भक्तों के लिए लगाया सेवा शिविर

कुंड। राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-11 पर गांव टीट स्थित फार्म पर रविवार को विधायक डा. कृष्ण कुमार ने श्याम भक्तों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिला भाजपा सचिव दिनेश यादव टीट व समाजसेवी अजीत सिंह टोनी भी मौजूद थे। इस मौके पर विधायक ने कहा कि श्रीश्याम सबके पालनहार है और सभी के कष्ट हरते है। कलियुग में श्री श्याम की भक्ति और आशीर्वाद हर इंसान को मिलता है। महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्री कृष्ण ने बर्बरीक की वीरता और भक्ति से प्रसन्न होकर उनको वरदान दिया कि वह कलयुग में श्याम के नाम से पूजे जाएंगे तथा सच्चे मन से उनका नाम लेने वाले की मनोकामना पूरी होगी।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

वर्तमान व भीवी पीढ़ी के लिए 'सांस्कृतिक विरासत' खजाना जैसा
4 साल में जुटाया अहीरवाल के 2500 गांव-ढाणी का इतिहास

नारनौल। अहीरवाल क्षेत्र का नक्शा व सत्यव्रत शास्त्री

फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सांस्कृतिक विरासत भी वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए एक खजाना जैसा होता है, जिस पर गर्व करने जैसा अनुभव होता है। यदि कोई व्यक्ति अपने पिता दादा परदादा से चली आ रही संपत्ति पर गर्व करके अपने आप को स्थापित करता है। परंतु यदि उन द्वारा स्थापित मर्यादाएं, परंपराओं का न तो पालन करने और न हीं उनके संवर्धन के कोई योजना बनाई तो वह धन, संपत्ति पर बहुत दिन तक सुरक्षित नहीं रह सकती। वर्तमान समय में अहीरवाल क्षेत्र के लोगों के साथ कुछ यही हो रहा है। पूर्वजों की कमाई संपत्ति के द्वारा अपना भरण पोषण, व्यापार और व्यवहार चला रहे हैं परंतु उनके द्वारा स्थापित मर्यादाएं, परंपराओं और उनकी के कठिन परिश्रम का गुणगान करते नजर नहीं आते।

क्षेत्र में दिखाई देते है महाभारत कालीन अवशेष

हरिभूमि से बातचीत करते हुए रविवार सांस्कृति अहीरवाल संस्था के अध्यक्ष सत्यव्रत शास्त्री ने बताया कि अहीरवाल का भौगोलिक क्षेत्र दिल्ली के डाबर क्षेत्र से लेकर ऐतिहासिक पहचान रखने वाले विराटनगर मामरु तक तथा सोहना तावडू की पहाड़ियों से लेकर श्रीमाधोपुर तक तथा बुहाना सिंघाना से लेकर भिवाड़ी, श्री किशनगढ़ की सीमा तक फैला है जो अपने ऐतिहासिक घटनाक्रमों से विश्व को प्रभावित करता आया है। महाभारत कालीन अवशेष इस क्षेत्र में स्याना, सोमतीर्थ कांटी, दनचोली, जेरपुर, बगथला, बारहकी, ढोसी, गुरुग्राम, सांप की नंगली व ढोकन अनेक स्थानों पर दिखाई देते हैं। ब्राह्मण काल के बाघोत, जैतपुर, बहराम भंडगी धार्मिक स्थानों से सुसज्जित यह भूमि पतित पावन रही है।

अहीरवाल क्षेत्र की यह है खूबी

मुगल काल, मुस्लिम काल और अंग्रेजी काल के इब्राहिम की रेवाड़ी की लूट, सतनामी युद्ध, मांढण का युद्ध, गोकलगढ़ का युद्ध, नसीबपुर युद्ध, रेजांगला का युद्ध, हाजीपीर का युद्ध के संघर्ष की गाथा, यहां कण-कण में सुनाई देती है। ऋषि उद्दालक, श्वेतकेतु, नचिकेता, भर्तृहरि, महर्षि दयानंद, बाबा बालनाथ, स्वामी सोमानंद, रामस्वरूप दास बाबा रामेश्वर दास, नारायण दास महाराज जैसे साधु, संतों व तपस्वियों के आशीर्वचनों से यहां का हर क्षेत्र संतृप्त लगता है। शेरशाह सूरी, राव बालकृष्ण, चौधरी रुपराम, चौधरी हरभजनसिंह, रावप्राणसुख, राव तुलसीराम, राव मित्र सेन, राव तुलाराम, राव गोपालदेव, राव किशन गोपाल, राव रामलाल, कमांडर बबरुभान यादव जैसे वीर योद्धाओं, राजा रजवाड़े की वीरता की कहानी हर स्तर पर गर्व को अनुभव करने वाली कहानियां सुनने को मिलती है। अलीबक्स, रामकुमार खालेटिया सांगी, नेकीराम, पं ताराचंद वैदिक तोप, सारस्वत मोहन मनीषी अपनी वीरगाथाओं के गाने का संगीत ओजस्वी कविताओं से जनमानस को उद्वलित करने वाले गायक यहां हुए हैं। खेलों में नवाब पटौदी, श्री राम शेखावत, आशीष नेहरा, संतोष यादव, सुनीता चौकन, मनु भांखर, सतवीर गुर्जर, वेदप्रकाश जैसे खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी मेहनत से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपने विशिष्ट पहचान पहनावे से श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर युद्ध कौशल तक परिचित कराता है। यहां का बाजरा ,जौ, चना, ज्वार पौष्टिक भोजन की ताकत से दुनिया भर को अपनी ओर आकर्षित करता है। दुश्मन सेना को अहीरवाल के वीर योद्धाओं ने एक बार नहीं अनेक बार धूल चटाने का मौका प्राप्त किया है। जिमी कार्टर, रामबरण यादव, सुरजीत बरनाला, बरकतुल्लाह खान राव वीरेंद्र सिंह जैसे राजनेता, बाबा बक्सा बोहरा, बाबा धन्ना बोहरा और नंदराम बोहरा जैसे लोगों ने समय-समय पर देश समाज और गरीब तबके को सहारा दिया तो भी इस क्षेत्र को पिछड़ा होने का तबका मिला है। इसका कारण है कि इन सब विस्तृत ऐतिहासिक धार्मिक सांस्कृतिक घटनाक्रमों को और महापुरुषों को हमने वह सम्मान और वह स्थान नहीं दिया ,जो हम आज भी दूसरों लोगों के लिए मन में रखते हैं।

होली गायन टोलियों ने दिया सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश

रेवाड़ी। नठेड़ा गांव में होली गायन प्रस्तुत करते ग्रामीण लोक गायक। फोटो: हरिभूमि

कोसली। गांव नठेड़ा में कोसलिया गोत्र के कुलगुरु बाबा मुक्तेश्वपुरी महाराज की स्तुति को लेकर प्रतिवर्ष होली गायन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। रविवार को शिव मंदिर नठेड़ा में सूबेदार महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में होली गायन शुरू हो गया। कार्यक्रम में कोसली सहित आसपास के गांवों की गायन टोलियों ने देशभक्ति, धार्मिक एवं सामाजिक गीतों के माध्यम से सामाजिक भाईचारे व समरसता का संदेश दिया। विभिन्न गांवों में लगातार चलने वाले होली गायन का समापन धुलेंडी वाले दिन मठ धाम कोसली में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव ने होली गायन टोलियों को गुड़ की भेली एवं नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा मुक्तेश्वपुरी महाराज की कृपा कोसली एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों पर सदैव रही है। भारतवर्ष देवी-देवताओं और संत-महात्माओं की तपोभूमि रहा है। कार्यक्रम में नठेड़ा, कोसली, कान्हड़वास, बालधन खुर्द, रामपुरी, श्यामनगर, जुड्डी, दड़ौली, खुशपुरा, जाहिदपुर, गुगोढ़, झाड़ौदा, लिसान, कोटिया, भड़प, नेहरूग्ढ़ व भूरथला सहित करीब डेढ़ दर्जन गांवों की होली गायन टोलियों ने हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक के लिए तड़के सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गई। जो मंदिर परिसर से लेकर मुख्य मार्ग तक फैली हुई थीं। अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने अपनी पत्नी रितु यादव के साथ उनके गांव श्यामपुरा के मंदिर में भगवान शिव पर जल चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। वहीं भक्त अपने हाथों में जल, दूध, बेलपत्र लिए हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। भक्त व्रत रखकर भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा करते हैं। वे दांपत्य सुख, समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं।

चेतावनी: सात दिन लगातार अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थियों के कटेंगे नाम

छात्रों के लिए नियुक्त हुआ मेंटर अब फोन से होगी काउंसलिंग

महेंद्रगढ़। महाविद्यालय का मुख्यद्वार।

फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए कॉलेज प्रशासन ने कड़ा संदेश हैं। कॉलेज प्रशासन ने सख्त शब्दों में कहा कि जो विद्यार्थी अगर सात दिन तक अनुपस्थित रहेगा, उनका सीधे तौर पर नाम काट दिया जाएगा। अगर बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर परीक्षा से भी वंचित रखा जा सकता है। राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने सख्त शब्दों में अवगत कराया है कि महाविद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की जा रही है तथा अब किसी भी विद्यार्थी द्वारा बंक मारना अथवा बिना सूचना अनुपस्थित रहना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। सभी विद्यार्थियों को अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए एक मेंटर नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं स्टाफ सदस्य मेंटर के रूप में अपने-अपने निर्धारित समूह के विद्यार्थियों की शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं करियर संबंधी काउंसलिंग करेंगे। मेंटर अपने समूह के विद्यार्थियों के साथ निरंतर संपर्क में रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर फोन के माध्यम से उनकी शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपस्थिति की नियमित निगरानी भी करेंगे।

अनुशासनहीनता पर पूर्ण रोक

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है, ताकि कोई भी विद्यार्थी पढ़ाई में पिछड़ न सके और अनुशासनहीनता पर पूर्णतः रोक लगाई जा सके। विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि बिना उचित कारण के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने यह भी बताया कि यदि कोई विद्यार्थी लगातार सात दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो उसका नाम महाविद्यालय से काट दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित विद्यार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा तथा उसे विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अनुशासन की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें

प्राचार्य ने सभी प्राध्यापकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करें तथा अनुशासन की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। अभिभावकों से भी आग्रह किया गया है कि वे अपने बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करवाएं तथा महाविद्यालय प्रशासन के साथ सहयोग करें। इससे उन्हें अपने बच्चे के कॉलेज आने या नहीं आने की जानकारी तो प्राप्त हो ही सकेगी। साथ ही उन्हें बच्चे की अन्य गतिविधियों की भी जानकारी मिल सकेगी। वह कॉलेज आतो है तो पढ़ने में कैसा है, भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कितनी कठोर मेहनत करता है या फिर मोबाइल फोन पर रील देखने में व्यस्त है या अन्य गलत गतिविधियों में तो नहीं पड़ा हुआ है। इन सब बातों को भी अभिभावकों को जाना चाहिए। क्योंकि बच्चों के भविष्य पर ही उनका भविष्य भी टिका हुआ है। महाविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, परंतु इसके लिए विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमितता एवं गंभीरता के साथ अपनी पढ़ाई में संलग्न रहना अनिवार्य होगा।

नारनौल। कार्यक्रम में पहुंची चेयरपर्सन कमलेश सैनी का स्वागत करते हुए।

मिस प्रीति यादव व मिस्टर फेयरवेल बने मयंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में ढाणी किरारोद स्थित गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विदाई समारोह हुआ। इसमें कक्षा 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों को फेयरवेल पार्टी दी गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश की उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक सुशील कुमार शीलू मौजूद रहे। अध्यक्षता शिक्षण संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने की। सर्वप्रथम 12वीं कक्षा के सभी बच्चों को तिलक लगाकर उनका सम्मान किया गया। दोनों कक्षाओं के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाटक की प्रस्तुति प्रदान की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप अच्छी मेहनत कर निरन्तर आगे बढ़ते रहना। उन्होंने विशेष कर लड़कियों से कहा कि लड़कियों पर दो घरों की जिम्मेदारी होती है। जब श्रेष्ठ कार्य करती हैं तो दोनों का सम्मान होता है। सुशील कुमार ने बच्चों को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रेरित किया। मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी ने बच्चों को पिता के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की। संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि आप 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात आपके लिए विभिन्न मार्ग खुल जाते हैं। जिसमें से आपको श्रेष्ठ मार्ग चुनना है जिससे आप अपने मुकाम को हासिल कर सके। प्राचार्य नेतराम सैनी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पार्टी में प्रीति यादव को मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल मयंक चुना गया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, सुनीता यादव, प्रिया यादव, प्रवीन सैनी, हेमंत कुमार, कृष्ण कुमार, प्रीतम, निशा यादव, पूनम सैनी, लक्ष्मी शर्मा, कविता आदि मौजूद रहे।

रेलवे आयुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। अटेली रेलवे स्टेशन पर पूजा अर्चना करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

अटेली-नारनौल रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद रविवार सुबह रेलवे सुरक्षा आयुक्त ई श्रीनिवास अपनी टीम के साथ निरीक्षण के लिए अटेली रेलवे स्टेशन पहुंचे। सुबह निर्धारित समय पर पहुंचते ही उन्होंने पूजा-अर्चना के साथ निरीक्षण कार्य की औपचारिक शुरुआत की। स्टेशन परिसर में डिवीजन के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे और पूरे दिन निरीक्षण की गतिविधियां चलती रहीं। इस दौरान उनके साथ डिप्टी रेलवे सुरक्षा आयुक्त विजय कुमार श्रीवास्तव, टेक्निकल सुरक्षा आयुक्त सुरक्षा आयुक्त एसएनटी तथा रेल मंडल प्रबंधक रवि जैन सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों की टीम ने ट्रैक, सिग्नलिंग व्यवस्था, प्वाइंट्स और क्रॉसिंग सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान ई श्रीनिवास मोटर ट्रॉली के माध्यम से अटेली से बाछौद की ओर रवाना हुए। रास्ते में विभिन्न कैंची प्वाइंटों और तकनीकी स्थलों पर रुककर टीम ने ट्रैक की मजबूती, जोड़ों की गुणवत्ता, स्लीपरों की स्थिति और सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया। सुबह नौ बजे से शुरू हुआ निरीक्षण शाम करीब चार बजे तक लगातार जारी रहा। अधिकारी पूरे समय सक्रिय नजर आए और हर तकनीकी बिंदु को गंभीरता से परखा गया।

रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्त किया एकत्र

नारनौल। शहर के नजदीक गांव मांदी के शिव मंदिर में स्व. सुषमा स्वराज और शहीद पृथ्वी सिंह की स्मृति में युवाओ की पहल पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान 62 युवाओं ने रक्तदान किया। यह कैंप महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक चला। इसमें युवा और महिलाओं की सक्रीय भूमिका रही। 62 के अलावा 20 युवा ऐसे थे जो रक्तदान करना चाहते थे, पर ब्लड बैंक में सीमित क्षमता के कारण उनका रक्त नहीं लिया जा सका। युवाओं के सेवाभाव की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट करणसिंह यादव व पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ अभयसिंह यादव रहे। मंच संचालन पवन शर्मा ने किया। अंत में युवाओं की और से सभी रक्तदाताओं, चिकित्सा दल एवम सहयोगी ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

विजय स्कूल में विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल के 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह तथा चेयरमैन विजय यादव टूमना ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित करके किया। सचिव महेंद्र सिंह ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें अपने आगामी भविष्य के लिए शुभकामना दी। इस अवसर पर 11वीं कक्षा के छात्रों ने 12वीं कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी को उनकी खूबियों के अनुसार टाइटल देते हुए उपहार भेंट किए। विदाई समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर्स के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, गीत और मनोरंजक गतिविधियां शामिल रही। मंच संचालन 11वीं कक्षा से हिमांशी एवं पायल ने किया। मिस फेयरवेल का खिताब ज्योति पुत्री प्रेमचंद व मिस्टर फेयरवेल का खिताब रौनक पुत्र जयपाल ने हासिल किया। विद्यालय प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन हर एक के लिए अहम पड़ाव होता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ समाज, राष्ट्र व अन्य गतिविधियों की जानकारी भी मिलती है। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और दृढ़ता के साथ जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सचिव महेंद्र सिंह, उनकी धर्मपत्नी रामकला देवी, चेयरमैन विजय यादव टूमना, उनकी धर्मपत्नी नीतू यादव रहे।

सेवा भाव | घायल गोवंश का ऑपरेशन व उपचार भी स्वयं करते हैं महंत

गोशाला में अंधे व विकलांग गोवंश की हो रही सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना-महेंद्रगढ़ रोड स्थित गांव गुढा व बुचावास की सीमा पर स्थित महंत लक्ष्मण गिरी गौशाला में महंत विद्वल गिरी महाराज पिछले 17 साल से सडक हादसे में घायल, अंधी, बीमार, अपाहिज गायों की देखभाल कर उनकी सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने अपने जीवन को गोसेवा को समर्पित कर दिया है। उनके इस कार्य से सीमावर्ती गावों के ग्रामीण भी प्रेरित होकर उनके साथ गोसेवा कार्य कर रहे हैं। महंत विद्वल गिरी महाराज गो प्रेमियों के सहयोग से लगातार इस मिशन को आगे बढ़ा रहे है। गोशाला में

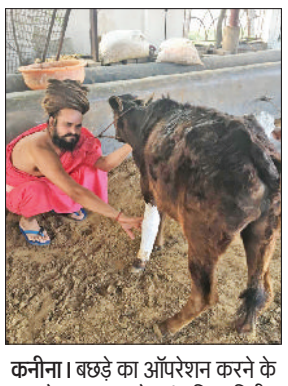

कनीना। बछड़े का ऑपरेशन करने के बाद देखभाल करते महंत विट्ठलगिरी।

उपस्थित सभी अपाहिज गायों की देखरेख से लेकर ऑपरेशन व उपचार आदि सभी कार्य स्वयं महंत विट्ठल गिरी महाराज द्वारा किया जाता है। इतना ही नहीं, उनकी ओर से संस्कृत भाषा व धर्म प्रेमियों को भी उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।विकलांग गौशाला बुचावास के महंत विट्ठलगिरी ने बताया कि गोमाता के प्रति उनकी बचपन से ही रूचि रही है। गुरु महाराज के आशीर्वाद के चलते वे जब दसवीं कक्षा में थे तभी से गायों की सेवा करने का निर्णय लिया था। गायों की सेवा के साथ-साथ उन्होंने शल्य चिकित्सा भी करनी शुरू कर दी। फिलहाल वे एक वीएस की भांति घायल गोवंश को बेहोश व सुन करके उनके सफल ऑपरेशन कर उन्हें जीवनदान देने का कार्य कर रहे हैं।

गोसेवा सर्वोपरि

गोमाता स्नेह के चलते बुचावास गोशाला में अंधी, गर्दन टूटी, टांग कटी, जबड़ा टूटा, मिर्गी दौरे, लकवे से पीड़ति गाय, बछड़े, बछिया तथा सांड उपचाराधीन है। जिनके लिए अलग-अलग बैरक बनाई गई हैं। विट्ठल गिरी महाराज ने बताया कि घायल गौवंश इलाज करने के साथ-साथ बीमार पशुओं को स्वस्थ्य करने के लिए पौष्टिक खुराक देनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद गोवंश को स्वस्थ होने में लगभग पांच-छह माह का समय लग जाता है। इस दौरान उन्हें अलग बाड़े में रखा जाता है। सावधानीपूर्वक उनकी देखभाल करनी पड़ती है।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयास से हो रहा विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिले की अस्पतालों में संसाधन व सुविधाएं बढ़ी हैं, जिससे मरीजों को निशुल्क और सुविधा पूर्वक इलाज कराना संभव हो पाया है। नांगल चौधरी सीएचसी का करीब 17 करोड़ की लागत से भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्रों के मेंटिनेंस व नए भवन निर्माण का बजट स्वीकृत किया गया है। उक्त विचार भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता मीटिंग के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ जिले में नांगल चौधरी सीएचसी सबसे बड़ी है, जिसके अंतर्गत 84 गांवों में 1.85 लाख आबादी है। अधिकांश गांवों में यातायात सुविधा नहीं जिस कारण ग्रामीणों को दूर-दराज की अस्पतालों में इलाज कराना मुश्किल रहता है। आबादी के अनुसार नांगल चौधरी सीएचसी को तीस साल पहले अपग्रेड कर दिया था, किंतु भवन निर्माण का बजट स्वीकृत नहीं हुआ था। कंडम भवन में मरीजों व चिकित्सक स्टॉफ को जानलेवा खतरा बना रहता है। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री ने तत्परतापूर्वक सीएचसी का नक्शा तैयार कराया तथा एस्टिमेट के मुताबिक करीब 17 करोड़ बजट स्वीकृत कर दिया। विभागीय पत्र मिलने के बाद पीडब्लूडी विभाग ने टैंडर छोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसके अलावा दस से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण का बजट मंजूर किया गया है। नारनौल सामान्य अस्पताल में पूरे प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक डिलीवरी होती हैं। अस्पताल में आधुनिक तकनीक वाले संसाधन उपलब्ध नहीं थे, जिस कारण चिकित्सकों को मरीजों का उपचार करने में परेशानी रहती थी। मरीजों की सुविधा के लिए सरकार ने डायलासिस की निशुल्क व्यवस्था तथा डिजिटल अल्ट्रासाउंड मशीन का प्रबंध किया है।

■ नांगल चौधरी। दयाराम यादव, पूर्व जिला प्रधान भाजपा।

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़वाई: दयाराम

भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने बताया कि नियमानुसार एक साल ओपीडी चलने के बाद ही एमबीबीएस कक्षाओं के दाखिले संभव होते हैं। किंतु स्वास्थ्य मंत्री ने सीएम व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर इसी शैक्षणिक सत्र में दाखिले स्वीकृत करवा दिए। इसके अलावा बाबा खेतानाथ आयूर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की दाखिला सीटों को 63 से बढाकर 100 करवा दिया। जिससे विद्यार्थी नजदीक ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे।

शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर भगवान शिव से मांगी सुख-समृद्धि

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में दिनभर गूंजे महाकाल के जयकारे, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रेवाड़ी। महाशिवरात्रि पर अनाजमंडी शिव मंदिर व बारा पत्थर भूतेश्वर मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु तथा मंदिर के बाहर लगी भक्तों की कतार। फोटो : हरिभूमि

■ मंदिरों में व्यवस्था बनाए रखने व सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी भी तैनात थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर के सभी शिव मंदिरों में अलसुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। शिवालयों पर देर रात तक भोले के दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान शिव से सुख समृद्धि की कामना की। शिव मंदिर में महाकाल के जयघोष से गूंजते रहे। शहर का मोती चौक स्थित श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर, सेक्टर-1 सोलहराही स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर, बारा पत्थर स्थित प्राचीन भूतेश्वर महादेव मंदिर, नई अनाज मंडी स्थित शिव मंदिर, मॉडल टाउन स्थित शिव चौक, लियो चौक स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर, कुतुबपुर स्थित श्रीगोसाईं मंदिर व कालाका रोड स्थित महाकाल मंदिर सहित जिले के सभी मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, गन्ने के रस, भांग, पंचामृत, आंकड़ा, धतूरा, बेर, फल व फूल अर्पित किए। पौराणिक मान्यता के इस दिन भोलेनाथ की शादी मां पार्वती से हुई थी। सभी मंदिरों में व्यवस्था बनाए रखने व सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी भी तैनात थे।

धूमधाम से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

बारा पत्थर मंदिर में दिन भर लगी रही कतार

शहर के बारा पत्थर स्थित प्राचीन भूतेश्वर महादेव मंदिर व मोती चौक स्थित प्राचीन घंटेश्वर महादेव मंदिर में शिव भक्तों की ज्यादा भीड़ देखने को मिली। घंटेश्वर महादेव मंदिर से गत दिवस भोलेनाथ की बारात भी निकाली गई थी। मंदिरों को आकर्षक लाइटों, फूलों व गुब्बारों से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से गणेश जी, शिव शंकर, माता पार्वति, नंदी महाराज व कार्तिकेय की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने मंदिरों में पानी की कलश भी चढ़ाए। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महाकाल सेवा संस्था की ओर से नाईवाली चौक पर भंडारे का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान ने बताया कि महाकाल सेवा संस्था का यह छठा विशाल भंडारा है। इस मौके पर हजारों लोगों ने भगवान महादेव का प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि सभी को अपनी मूल्यवान संस्कृति और विरासत की रक्षा के लिए अपने धर्म का पालन करना चाहिए।

विधि-विधान से किए गए अनुष्ठान

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की ओर से व्रत रखकर पूजन के साथ जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक व रुद्राभिषेक के अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से किए गए। मान्यता है कि ऐसा करने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की ओर से शिव संकीर्तन का आयोजन किया गया। महाशिवरात्रि में भोलेनाथ का गन्ने के रस से अभिषेक करने पर लक्ष्मी प्राप्ति, दूध से मनोकामनाएं पूर्ण, घी से आरोग्यता व वंश वृद्धि, इत्र युक्त जल से बीमारी नष्ट होती है। सरसों के तेल से शत्रु नाश, दही से भवन वाहन प्राप्ति तथा शहद युक्त जल से अभिषेक करने पर समस्त पापों का नाश होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बीर सिंह प्रधान, सीए रॉकी, मोनू राव, सागर, नीलेश, निशांत, राजतिलक, अजय, दिनेश, बबलू सैनी, संजय यादव, मनीष शर्मा, इंद्रजीत, राजकुमार, मनजीत, विनय, सौरभ, सुभाष प्रजापति व महेश चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। शिव मंदिर में हवन करते हुए श्रद्धालु।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन

धारूहेड़ा। रविवार को गांव अलावलपुर में महाशिवरात्रि के पर्व पर शिव भोलेनाथ मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंदिर प्रांगण में हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर जिला पार्षद निरंजन लाल पटवारी, गाव भटसाना के सरपंच भूपसिंह, गांव तातारपुर खालसा के सरपंच साझीदार, पंच सुखबीर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता चिमनलाल व मास्टर मनजीत सहित अनेक गणमान्य लोगों ने हवन में आहूति डाली। इस अवसर पर जोगेंद्र तंवर, सुरेंद्र, दिनेश कुमार, प्रभाती लाल ,सुरेंद्र, अमित, ईश्वर, सुनील नंबरदार, रामकिशन सरपंच, देशराज यादव, अभय सिंह, हरि सिंह, संदीप, कृष्ण, रमेश व बलवंत सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

महिला सशक्तिकरण पर किया जागरूक

बावल। राजकीय कॉलेज बावल में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों की ओर से रैली निकाली गई। छात्रों ने रैली निकालकर पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली का नेतृत्व एनएसएस बॉयज यूनिट के प्रभारी डा. नीतू सिंह और गर्ल्स यूनिट की प्रभारी डा. बबीता यादव ने किया। इसके बाद स्वयं सेविकाओं ने महिला सशक्तिकरण जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक पेश किया। नाटक के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा का आह्वान किया गया। सिद्धार्थ और मोहित ने साइबर क्राइम सुरक्षा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों को साइबर अपराधों से बचने के तरीके और ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी दी।

पुलिस ने पैदल गश्त करके सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

रेवाड़ी। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा मजबूत करने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से पैदल गश्त की जा रही है। शनिवार रात्रि थाना धारूहेड़ा इंस्पेक्टर कश्मीर सिंह, थाना कसोला इंस्पेक्टर सतीश कुमार, चौकी इंचार्ज जगन गेट एसआई संदीप कुमार, चौकी इंचार्ज सेक्टर-3 पीएसआई राकेश कुमार व चौकी इंचार्ज भाडावास गेट एसआई सुमन ने टीमों के साथ अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पैदल गश्त की। उन्होंने स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग देने की अपील की। पुलिस की टीमों ने मुख्य बाजार, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया।

रक्तदान कैंप का आयोजन, 85 यूनिट रक्त एकत्रित

रेवाड़ी। धारूहेड़ा चुंगी पर पुलवामा शहीदों की स्मृति में जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने किया तथा बैज पहनाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में करीब 85 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि 14 फरवरी 2019 का वह काला दिन था, जब आतंकियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर विस्फोटक से वाहन को जवानों की बस से टकरा दिया। इस भीषण हादसे में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे तथा पूरा देश सदमे में डूब गया था।

अमानत में खयानत का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस को छका रहा रिमांड पर लिया युवक

बावल। पुलिस ने अमानत में खयानत के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उससे बाइक बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन वह पुलिस को बाइक के बारे में बताने के लिए खूब छका रहा है। पुलिस को दर्ज शिकायत में किशनपुरा निवासी सूबेसिंह ने बताया कि नांगल तेजू निवासी राहुल उर्फ पव्वा गत 18 जनवरी को उसके भतीजे सोमबीर की बाइक मांगकर ले गया था। उसने बताया था कि वह बाइक से अपनी बहन को लेने के लिए जा रहा था। इसके बाद राहुल ने उसके भतीजे की बाइक नहीं लौटाई। कई बार संपर्क करने के बाद भी उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी राहुल उर्फ पव्वा को गिरफ्तार कर लिया। बाइक बरामद करने के लिए उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रिमांड पर पूछताछ के दौरान आरोपी राहुल पुलिस को जमकर छका रहा है। बाइक के बारे में वह बार-बार पुलिस को गलत जानकारी दे रहा है। उसके बताए गए पते पर रविवार को पुलिस गुरुग्राम पहुंच गई, परंतु पुलिस को बाइक नहीं मिली। बार-बार गलत पता बताकर वह पुलिस की परेशानी बढ़ा रहा है।

बव्वा की डॉ. विनीता ने पर्यावरण विज्ञान में हासिल की पीएचडी की उपाधि

कोसली। गांव बव्वा की रहने वाली डा. विनीता ने पर्यावरण विज्ञान विषय में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा दिल्ली से हाल ही में पीएचडी की उपाधि हासिल कर गांव का नाम रोशन किया है। उन्होंने पीएचडी प्रोफेसर डा. भूपेंद्र सिंह राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा दिल्ली के नेतृत्व में प्राप्त की। डा. विनीता जयपुर नाबार्ड में ग्रेड ए ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। गांव की सरपंच सुनीता देवी एवं पंचायत प्रतिनिधि गोपीराम ने कहा कि डा. विनीता की उपलब्धि से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। श्रीमगवान मुलोदिया प्रवक्ता और साहित्यकार ने बताया की विनीता ने 2012 में बारहवीं में बायो संकाय में हरियाणा राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2013 में उन्होंने डॉ भीमराव अंबेडकर स्कॉलरशिप प्राप्त की। गांव से सूबेदार मेजर सुरजन सिंह मुलोदिया, हवलदार सुबह सिंह यादव, पूर्व सरपंच सूरत सिंह यादव, पूर्व सरपंच रोशन लाल यादव, बाबूलाल पचेरवाल, मास्टर हरद्वारी लाल, तरुण चंद्र मुलोदिया व राजीव चंद्र मुलोदिया ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सीएपीएफ के सेवारत व सेवानिवृत्त जवान अब कैंटीन से ले सकेंगे मदिरा

■ आईटीबीपी के कमांडेंट ने मदिरा प्राप्त करने का शेड्यूल जारी कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

गत तीन साल से प्रयासरत एक्स पैरामिलट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन को मदिरा जारी कराने में सफलता मिली है। सभी सेंट्रल आर्मड पुलिस फोर्स यानि सीएपीएफ के सेवारत व सेवानिवृत्त जवान अब 28 बटालियन भारत तिब्बत सीमा पुलिस जाटूसाना से मदिरा ले सकते है। एक्स पैरामिलट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष वीरभान बडगुर्जर ने बताया कि आईटीबीपी के कमांडेंट ने 14 फरवरी को मदिरा प्राप्त करने का शेडयूल जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि सेवारत व सेवानिवत्त जवानों को मदिरा जारी करने के लिए एक्स पैरामिलट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन गत तीन साल से गृह मंत्रालय भारत सरकार से लगातार पत्राचार कर रही थी।

अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या का पता लगाने के लिए चलाया सर्च अभियान

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने स्वैत टीम के साथ कोसली व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। पुलिस की ओर से ईट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर रहने वाले लोगों की जांच की गई। पुलिस टीम ने वहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी लेकर उनके पहचान पत्र व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चला रही है, जोकि आगे भी लगातार जारी रहेगा। एसपी ने कहा कि जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं, सुरक्षा की दृष्टि से उनकी पहचान होना अत्यंत आवश्यक है। एसपी ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी पुलिस की ओर से कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट की जिला कार्यकारिणी घोषित, 11 उपाध्यक्ष व 20 महासचिव नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रविवार को कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने बताया कि संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 56 सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि घोषित कार्यकारिणी में 11 उपाध्यक्ष, 20 महासचिव, 17 सचिव तथा 8 कार्यकारी सदस्य नियुक्त किए गए हैं। कार्यकारिणी में मीरसिंह चावरिया, डा. मामराज, धर्मवीर, किशोर कुमार टांकडी, खूबराम सरपंच, धर्मपाल ठेकेदार, मंगूराम सरपंच, रामनिवास ठेकेदार, सूरजभान सरपंच, रामसिंह नंबरदार और प्रताप सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है वहीं नरेश कुमार, होशियार सिंह सरपंच, अनिल पूनिया सरपंच, एडवोकेट राहुल कुमार, रामकिशन, राजपाल ठेकेदार, दीवान सिंह, रामकिशन, बसंत कुमार चहल, हीरा सिंह, जगराम, पन्नालाल, डा. मुकेश कुमार, रणधीर सिंह, जिले सिंह सोलंकी, राजबीर सिंह, होशियार सिंह, राम गोपाल राठी, भीम सिंह व रतिराम नंबरदार को महासचिव नियुक्त किया गया।

शिविर में 200 लोगों की स्वास्थ्य जांच

■ प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से टैबलेट भेंट किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थी।

सरस्वती स्कूल गुड़ियानी में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 800 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य मेधावी एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आगे की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना था। विद्यालय प्रबंधन की ओर से परीक्षा के साथ-साथ एक लकी ड्रा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से टैबलेट भेंट किए गए। इस मौके पर विद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों ने रक्तचाप, शुगर, वजन, आंखों की जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए व लोगों को आवश्यक परामर्श भी दिया।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

रेवाड़ी। पांच दिन पहले मसानी के पास दो बाइकों की भिड़ंत में घायल हुए एक युवक ने उपचार के दौरान निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। फदनी निवासी लगभग करीब 35 वर्षीय रवि 11 फरवरी को किसी काम से बाइक लेकर जैनाबाद गया था। वहां से घर लौटते समय मसानी के पास उसकी बाइक को सामने से आ रही एक बाइक ने टक्कर मार दी।

बेटियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहीं: लक्ष्मण सिंह

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डा. करनी सिंह शूटिंग रेंज नई दिल्ली में एशियन राइफल शूटिंग चैंपियनशिप में पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी की बारहवीं कक्षा की छात्रा चहक यादव ने 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ महिला वर्ग में 600 में से 574 अंक हांसिल कर रजत पदक और भारतीय टीम की प्रतिभागी के रूप में स्वर्ण पदक हासिल किया है। चहक हरियाणा पुलिस में हवलदार के पद पर कार्यरत सुनील कुमार की पुत्री है। शहर के सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकेडमी में प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

रेवाड़ी। खिलाड़ियों का सम्मानित करते विधायक।

ये रहे मौजूद

सह विभाग संचालक आरएसएस डा. रामावतार लांबा, भूपेंद्र , डा. अनिल यादव, चौधरी चरण सिंह प्रो. डा. एमएस यादव, डा. रवि यादव व डा. रविंद्र मौजूद थे।

मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शूटिंग चैंपियनशिप में पदक जीतकर देश व क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं।

ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की ली शपथ

रेवाड़ी। पुलिस की ओर से नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गठित की नशा मुक्ति टीम ने गांव नेहरूगढ़ व रामगढ खेडी में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया तथा यातायात के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग और यातायात संकेतों का पालन हमारी सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। नशा मुक्ति टीम ने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में हो तो डायल 112 पर सूचना दें। उइसके अलावा नशा गतिविधियों की सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। इस मौके पर ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी ली।

चुनावी हलचल निगम चुनावों में राव की असहमति से अकेले मानेसर में मिली थी हार

निकाय चुनावों की घोषणा अगले माह, मानेसर की 'चूक' नहीं दोहराएगी भाजपा

■ रेवाड़ी और धारूहेड़ा में जीत के लिए टिकट की कमान देनी होगी राव को

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

प्रदेश में निकाय चुनाव कराने के लिए अधिसूचना मार्च के पहले या दूसरे सप्ताह में जारी होने की संभावना है। नगर परिषद के साथ धारूहेड़ा नगर पालिका के चुनाव भी प्रस्तावित हैं। दोनों निकायों में फतह हासिल करने के लिए भाजपा को टिकट का फैसला केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर ही छोड़ना होगा। मानेसर नगर निगम चुनाव में टिकट के समय राव की 'असहमति' पार्टी प्रत्याशी की हार का कारण बनी थी। इन चुनावों में पार्टी मानेसर जैसी 'चूक' दोहराने का जोखिम नहीं उठाएगी। गत वर्ष हुए नगर निगम के चुनावों में भाजपा को प्रदेश के 10 निगमों में से महज मानेसर में ही हार का सामना करना पड़ा था। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह वर्तमान मेयर इंद्रजीत यादव को टिकट दिलाना चाहते थे, परंतु उनके राजनीतिक विरोधियों ने टिकट के मामले में उन्हें झटका देते हुए सुंदरलाल को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा था। इसके बाद इंद्रजीत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरी थीं।

राव ने भाजपा प्रत्याशी के चुनाव प्रचार से किनारा कर लिया था, परंतु उनके समर्थकों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के फैसले को गलत साबित करने के लिए कमर कश ली थी। मतदान से ठीक पहले राव इंद्रजीत सिंह का एक वीडियो भी जमकर

राव इन्द्रजीत सिंह

रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय।

कै. अजय यादव

वायरल हुआ था, जिसमें राव इंद्रजीत सिंह भाजपा प्रत्याशी सुंदरलाल के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए नजर आ रहे थे। हाल ही में राव ने स्पष्ट किया कि यह वीडियो फेक था, जिसे जानबूझकर वायरल किया गया था।

राव समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी की जीत ने यह संकेत दे दिया था कि अहीरवाल में राव के विरोध पर जीत की सीढ़ी चढ़ पाना आसान नहीं है। अगर उनकी सहमति के बिना किसी प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाता है, तो उसके लिए जीत की राह आसान नहीं हो सकती।

नप के साथ नपा के चुनाव भी प्रस्तावित

चेयरमैन टिकट की कमान राव को

भाजपा सूत्रों के अनुसार चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त करने के बाद पार्टी चेयरमैन प्रत्याशी की टिकट को लेकर भी मंथन करने में जुटी हुई है। रेवाड़ी सीट एससी महिला के लिए रिजर्व हो चुकी है। पिछले नगर परिषद चुनावों में भी भाजपा ने राव समर्थित पूनम यादव को टिकट दी थी, परंतु पार्टी में उनके विरोधी खेमे ने शीर्ष नेतृत्व के निर्णय को गलत साबित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। इस बार यह खेमा खुलकर सामने नहीं आया है। शीर्ष नेतृत्व दोनों निकाय में टिकट का निर्णय राव को ही सौंपने के पक्ष में नजर आ रहा है।

इस बार बदल सकते हैं समीकरण

वर्ष 2020 के नगर परिषद चुनावों में कांग्रेस ने पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव के भतीजे की पत्नी विक्रम यादव को चुनाव मैदान में उतारा था। राव का विरोध करने वाले भाजपा के दूसरे खेमे के नेताओं ने उन्हें झटका देने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी उपमा यादव का अंदरखाने पूरा साथ दिया था। यही कारण था कि कांग्रेस प्रत्याशी को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। इस बार अगर कांग्रेस दमदार प्रत्याशी उतारती है, तो वह भाजपा को सीधे टक्कर देने की स्थिति में होगी।